PAPER-III
FOLK LITERATURE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 7 1 1 0

Time : **2 $^{1}/_{2}$** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

FOLK LITERATURE
लोक साहित्य

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Give your views on the survival and continuity of Folklore.
लोकवार्ता की उत्तरजीविता और निरन्तरता (सतत्ता) पर अपने विचार प्रकट कीजिये ।

OR / अथवा

Which theory of folklore is more suitable for research work ?
लोकवार्ता का कौन सा सिद्धान्त शोधकार्य के लिये ज्यादा उपयुक्त है ?

2. What is the contribution of western scholars to Indian Folkloristics.
भारतीय लोकवार्ता विज्ञान के प्रति पश्चिमी देशों के विद्वानों का योगदान क्या है ?

OR / अथवा

Bring out the salient aspects of the latest Folklore research done in your region.
आपके क्षेत्र में लोकवार्ता पर किये गये नवीनतम शोध के मुख्य पहलुओं को स्पष्ट रूप से दर्शाइये ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह (15)** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. How Folklore as a discipline can be established at international level ?

   अनुशासन के रूप में लोकवार्ता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किस प्रकार स्थापित किया जा सकता है ?

4. How could you manipulate different methods of data collection during your field work endeavours ?

   आप अपना क्षेत्र कार्य करते समय आंकड़ा संग्रह करने की भिन्न पद्धतियों को किस प्रकार परिचालित करेंगे ?

5. What are the problems faced by Indian folk theatre in modern era ?

   आधुनिक युग में भारतीय लोक रंगमंच को किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ?

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What are the four major categories of folklore ?
लोकवार्ता के चार मुख्य वर्ग क्या हैं ?

7. Define 'function' and specify its categories.
'प्रकार्य' की परिभाषा दें और उसके वर्गों को स्पष्ट रूप से बताइये ।

8. What are the characteristics of folk speech ?
लोककथन (स्पीच) की विशेषताएँ क्या हैं ?

9. How did Sigmund Freud use folklore in his psychoanalytical theory ?
सिगमंड फ्रायड ने अपने मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त में लोकवार्ता को किस प्रकार से उपयोग किया है ?

10. Define folk song and differentiate it from folk ballad.
लोकगीत की परिभाषा दीजिये और गाथागीत और लोकगीत में अन्तर बताइये ।

11. Differentiate between myth and legend.
मिथक और दंतकथा के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिये ।

12. What are the basic characteristics of folk theatre ?
लोक रंगमंच की मूलभूत विशेषताएँ क्या हैं ?

13. 'Proverb is the horse of the conversation.' Define.
'लोकोक्ति, वार्तालाप का घोड़ा (चालक) है ।' व्याख्या कीजिये ।

14. What is Folk Medicine ? State its relevance today.
लोक औषधि क्या है ? आज उसकी प्रासंगिकता क्या है, स्पष्ट कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the passage below and answer the questions that follow based on your understanding of the passage :

Too often, when Folklore is taught in India, teachers ignore internationally recognized theory and methodology, or rely on only a few often outdated theories. Some of these outmoded theories are rooted in the ideologies of nineteenth century colonialism. They appear to 'work' only if one adheres to certain assumptions about the innate differences between human populations and a narrow interpretation of the notion of progress. Such theories and their associated assumptions have long been rejected around the world. It is easy to understand why many Indian students of folklore reject these theories along with their rejection of colonialism. But that does not mean they have to reject all international theories and rely on the narrow interests of a nationalistic folklore to guide their interpretation of the material. Even when more contemporary theoretical writings are assigned in Indian classrooms, there is seldom any attempt to apply these to Indian material. Yet if folkloristics is to be a comparative and international discipline, linking folk traditions around the world, then its theories must have general applicability.

नीचे दिया गया परिच्छेद पढ़िये और परिच्छेद की अपनी समझ के आधार पर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

भारत में, जब भी लोकवार्ता का शिक्षण किया जाता है, तो बहुधा, शिक्षक अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्य सिद्धान्तों और कार्य-पद्धतियों की उपेक्षा करते हैं, या कुछ अक्सर पुराने पड़ गये सिद्धान्तों पर निर्भर करते हैं । इनमें से कुछ पुराने सिद्धान्त हैं और उन्नीसवीं शताब्दी के उपनिवेशवाद की विचारधाराओं में जड़बद्ध हैं । ऐसा प्रतीत होता है कि वो सिर्फ तभी कार्य करते हैं जब व्यक्ति, मानव की जनसंख्याओं और प्रगति की धारणा की संकीर्ण व्याख्या के बीच अंतर्जात अन्तरों के बारे में कुछ मान्यताओं का पालन करता है । ऐसे सिद्धान्तों और उनकी सम्बन्धित मान्यताओं को समस्त विश्व में बहुत समय पूर्व अस्वीकार कर दिया गया है । यह समझना आसान है कि लोकवार्ता के बहुत से भारतीय विद्यार्थी उपनिवेशवाद की अपनी अस्वीकृति के साथ-साथ, इन सिद्धान्तों को क्यों अस्वीकार करते हैं । परन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि उन्हें समस्त अंतर्राष्ट्रीय सिद्धान्तों को अस्वीकार करना पड़ेगा और राष्ट्रीयवादी लोकवार्ता के संकीर्ण हितों पर निर्भर करना पड़ेगा जिससे कि पदार्थ की अपनी व्याख्या का मार्गदर्शन कर सकें । उस समय भी, जबकि ज्यादा समकालिक सैद्धान्तिक लेख भारतीय कक्षाओं में निर्दिष्ट किये जाते हैं, इन्हें भारतीय पदार्थ पर प्रयुक्त करने के विरले ही प्रयत्न किये जाते हैं । फिर भी, यदि लोकवार्ताविज्ञान को तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी का अनुशासन बनना है, और लोक परम्पराओं को विश्व भर से सम्बन्धित करना है, तो उसके सिद्धान्तों की सामान्य अनुप्रयुक्तता होनी चाहिये ।

15. Why international theories are equally essential for the study of nationalistic folklore ?
राष्ट्रीयवादी लोकवार्ता के अध्ययन के लिये अंतर्राष्ट्रीय सिद्धान्त समान रूप से क्यों अनिवार्य हैं ?

16. What are the characteristics of comparative and international folkloristics ?
तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय लोकवार्ता विज्ञान की विशेषताएँ क्या हैं ?

17. Why internationally recognised theories and methodologies are ignored in India ?
अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्य सिद्धान्तों और कार्य पद्धतियों की भारत में क्यों उपेक्षा की जाती है ?

18. What has colonialism to do with the Indian students of folklore ?
लोकवार्ता के भारतीय विद्यार्थियों के साथ उपनिवेशवाद का क्या सरोकार है ?

19. According to the passage which theories and assumptions have been rejected around the world ?
परिच्छेद के अनुसार कौन से सिद्धान्त और मान्यताओं को विश्वभर में अस्वीकार कर दिया गया है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....